# जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

## विद्यावारिधि (पीएच.डी.) प्रवेश परीक्षा 2021

# नियमावली एवं आवेदन पत्र

निदेशक,
अनुसन्धान केन्द्र
जरारासंविवि, जयपुर

# जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

मदाऊ, भांकरोटा–मुहाना लिंक रोड़, जयपुर, (राज॰) - 302026

वेबसाईट : www.jrrsanskrituniversity.ac.in ई–मेल - jrrsu@yahoo.com टेलीफैक्सः 0141 - 2850564


## विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) प्रवेश परीक्षा नियमावली- 2021

### 1.प्रवेश परीक्षा पात्रता नियम -

1. विद्यावारिधि (पीएच.डी.) उपाधि में प्रवेश हेतु अभ्यर्थी को यू.जी.सी. द्वारा मान्य आचार्य (स्नातकोत्तर) अथवा एम.ए. (संस्कृत) / संयुक्ताचार्य पञ्चवर्षीय पाठ्यक्रम / दो वर्षीय आचार्य (आचार्य सेमेस्टर प्रणाली) एम.फिल. उपाधि में 55 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

**अथवा**

आचार्य स्नातकोत्तर / एम.ए. संस्कृत सहित शिक्षाचार्य / एम.एड. (शिक्षा स्नातक स्तर पर संस्कृत शिक्षण विषय सहित) उपाधि 55 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

### 2.प्रवेश नियम -

1. वर्ष 2021 में आयोजित होने वाली प्री-पीएच.डी. विद्यावारिधि पूर्व प्रवेश परीक्षा ज.रा.राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत नियम अनुसार होगी।
2. राज्य सरकार द्वारा प्रवेश हेतु आरक्षण नियम लागू होंगे।
3. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जे.आर.एफ. परीक्षा उत्तीर्ण (किन्तु ऐसे अभ्यर्थियों को प्रवेश पात्रता परीक्षा हेतु निर्धारित प्रक्रिया अनुसार मय शुल्क आवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा) एवं ज.रा.राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर से विद्यानिधि (एम.फिल.) परीक्षा उत्तीर्ण जिन्होंने षाण्मासिक पाठ्यक्रम उत्तीर्ण कर चुके हैं, वे छात्र विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) प्रवेश परीक्षा से मुक्त होगें, और वे सीधे ही डी.आर.सी. के लिए पात्र होंगे।
4. अनुसंधान पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण छात्र परिणाम घोषित होने के एक वर्ष के लिए अर्ह माना जाएगा। इसका अंकन परीक्षा प्रमाण पत्र किया जाएगा। इस अवधि के पश्चात् छात्र को पुनः अनुसंधान पात्रता परीक्षा में सम्मिलित होना होगा।
5. वरीयता सूची में आने वाले छात्रों को विभागवार आरक्षण नियमों के अनुसार उनके विकल्प के अनुरूप रिक्त सीटों पर विद्यावारिधि (पीएच.डी.) में प्रवेश हेतु पात्र माना जाएगा।
6. विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) प्रवेश परीक्षा में 100-100 पूर्णांकों के दो प्रश्न पत्र होंगे। प्रथम प्रश्न पत्र में 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
7. प्रथम प्रश्न पत्र में उत्तीर्ण होने पर द्वितीय प्रश्न पत्र की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन किया जाएगा।
8. प्रवेश हेतु द्वितीय प्रश्न पत्र में 50 प्रतिशत अंक उत्तीर्णांक होगें जिसके आधार पर वरीयता सूची तैयार की जायेगी।
9. मेरिट सूची में आने वाले विद्यार्थियों को विभागवार आरक्षण नियमों के अनुसार उनके विकल्प के अनुरूप रिक्त सीटों पर विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) में प्रवेश का पात्र माना जाएगा।

## 3.प्रवेश परीक्षा का आयोजन -

1. विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) प्रवेश परीक्षा 2021 वेद, धर्मशास्त्र, व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य, श्रमण एवं दर्शन, शिक्षा-शास्त्र तथा योग विषयों में आयोजित होंगी।

## 4.परीक्षा केन्द्र -

1. विश्वविद्यालय विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) प्रवेश परीक्षा 2021 का परीक्षा केन्द्र ज.रा.राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर स्थित निदेशक, शैक्षणिक परिसर विभाग (परिसर) होगा।

## 5.प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन प्रक्रिया -

1. विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) प्रवेश परीक्षा 2021 हेतु विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित आवेदन पत्र विश्विविद्यालय वैबसाईट-**www.jrrsanskrituniversity.ac.in** से प्राप्त किया जा सकता है।
2. स्वयं के हाथ से सुस्पष्ट अक्षरों में भरे हुए निर्धारित आवेदन पत्र के साथ परीक्षा शुल्क राशि 2000/- (अक्षरे दो हजार मात्र) का कुलसचिव ज.रा.राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर के नाम किसी भी राष्ट्रीय कृत बैंक से डी.डी. बनवाकर संलग्न कना अनिवार्य होगा।
3. विश्विविद्यालय परिसर में स्थित इलाहबाद बैंक में निर्धारित प्रवेश परीक्षा शुल्क चालान द्वारा भी जमा कराया जा सकता है।
4. पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन पत्र अपेक्षित प्रमाण पत्र के साथ शुल्क सहित प्राचार्य, आचार्य, संस्कृत महाविद्यालय / निदेशक शैक्षणिक परिसर, जरारासंविवि, जयपुर / सम्बद्ध विभागाध्यक्ष, जरारासंविवि, जयपुर के माध्यम से निदेशक अनुसंधान केन्द्र जरारासंविवि, जयपुर कार्यालय में जमा करना होगा।
5. आवेदन पत्र की समस्त प्रपूर्ति के साथ आवेदन पत्र दिनांक 30.11.2021 तक कार्यालय समय अपराह्न 5.00 बजे तक ही जमा किया जा सकेगा, इसके पश्चात् किसी का आवेदन पत्र स्वीकार नहीं होगा।
6. आवेदन पत्र भरने में की गई किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिए छात्र स्वयं जिम्मेदार होगा। गलत जानकारी देने पर नियमानुसार कार्यवाही भी की जा सकती है।
7. विश्वविद्यालय के विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) से सम्बन्धित नियम परीक्षा पाठ्यक्रम एवं अन्य समस्त जानकारियाँ विश्वविद्यालय की वैबसाईट - **www.jrrsanskrituniversity.ac.in** पर समय - समय पर प्राप्त की जा सकती है।

नोटः- किसी भी आवश्यक स्थिति में विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत नियम एवं माननीय कुलपति महोदय द्वारा लिये गये निर्णय मान्य होंगे।

निदेशक
अनुसंधान केन्द्र

# विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) प्रवेश परीक्षा हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम -

विद्यावारिधि (प्री-पीएच.डी.) प्रवेश परीक्षा में 100-100 पूर्णाङ्को के दो प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र को हल करने का समय 90 मिनिट (डेढ़ घण्टा) रहेगा । प्रथम प्रश्नपत्र **संस्कृत वाङ्मय का सामान्य ज्ञान** से अभिहित किया जायेगा। इस प्रश्नपत्र की प्रकृति वस्तुनिष्ठात्मक होगी, जिसमें कुल एक सौ (100) बहुविकल्पात्मक प्रश्न-पूछे जायेगें। द्वितीय प्रश्नपत्र 'शास्त्र-ज्ञान' परीक्षा के नाम से सम्बोधित किया जायेगा। इस प्रश्नपत्र की प्रकृति विषयनिष्ठात्मक/निबन्धात्मक होगी, जिसमें स्वशास्त्रविषयक अतिलघूत्तरात्मक, टिप्पणीपरक तथा शास्त्रीय निबन्ध से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जायेगें। प्रथम प्रश्न पत्र में उत्तीर्णता के लिए 40 % अंक प्राप्त करने पर द्वितीय प्रश्न पत्र की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन किया जाएगा । प्रवेश हेतु द्वितीय प्रश्न पत्र में 50 % अंक उत्तीर्णांक होगें जिसके आधार पर वरीयता सूची तैयार की जायेगी । मेरिट सूची में आने वाले विद्यार्थियों को विभागवार आरक्षण नियमों के अनुसार उनके विकल्प के अनुरूप रिक्त सीटों पर विद्यावारिधि ( प्री-पीएच.डी.) में प्रवेश का पात्र माना जाएगा । दोनों प्रश्नपत्रों के सभी प्रश्न संस्कृत में होंगे तथा उनके उत्तर भी संस्कृत में देने होंगे । दोनों प्रश्नपत्रों का पाठ्यक्रम क्रमशः निम्नानुसार है –

**प्रथम प्रश्न पत्र**

**(संस्कृत वाङ्मय का सामान्य ज्ञान)**

**समय - डेढ घण्टा** **पूर्णाङ्क – 100**

(वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पात्मक उत्तर सहित संस्कृत भाषा में 100 प्रश्न)

**नोट- इस(प्रथम) प्रश्नपत्र के अन्तर्गत जिन छः पाठ्यबिन्दुओं को पृथक्-पृथक् अङ्कभार सहित समाहित किया गया है । उनका पाठ्यक्रम क्रमशः अधोलिखित है –**

1. **भारतीय संस्कृति एवं पञ्चाङ्ग विज्ञान का सामान्य ज्ञान –** **20 अंक**
(वर्ण व्यवस्था, आश्रणव्यवस्था, संस्कार तथा पञ्चाङ्ग का सामान्य ज्ञान)

2. **भारतीय दर्शनों का सामान्य ज्ञान-** **20 अंक**
(वेदान्त, मीमांसा,सांख्ययोग, न्याय, वैशेषिक, बौद्ध, जैन तथा चार्वाक दर्शनों का परिचय)

3. **वैदिक साहित्य का सामान्य ज्ञान-** **20 अंक**
(संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदाङ्गों का परिचय)

4. **संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान-** **20 अंक**
(सन्धि, समास, सुबन्त,तिङन्त,कृदन्त तथा तद्धित का परिचयात्मक ज्ञान- लघुसिद्धान्त कौमुदी के आधार पर)

(कारक प्रकरण का ज्ञान – सिद्धान्तकौमुदी के आधार पर)

5. **छन्द, अलंकार तथा संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान-** **20 अंक**
(क) छन्दो ज्ञान- (आर्या, उपजाति, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, वसन्ततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा का लक्षणोदाहरण)

(ख) अलङ्कार – (उपमा, उत्प्रेक्षा, अनन्वय, स्वभावोक्ति, विभावना, निर्दशना, अर्थान्तरन्यास, वक्रोक्ति, विशेषोक्ति एवं श्लेष का लक्षणोदाहरण)

(ग) संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान –

(गद्य, पद्य, नाट्य तथा चम्पूकाव्यों के लक्षण प्रसिद्ध काव्य एवं उनके लेखक)